आचार्य हस्ती अहिंसा शोध संस्थान

प्रशासनिक कार्यालय: 676-A 10th C रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर-342003 (राज.) Tel. No. 5107192/2635581

उपचार केन्द्र : पूज्य कृपा, 32 नेहरू पार्क, शास्त्री सर्कल रोड़, जोधपुर-342003 (राज.)

अध्यक्ष
ज्ञानेन्द्र बाफना F.C.A.
सी-55, शास्त्रीनगर, जोधपुर
0291-2434355,2632464, 94140-93147

प्रबंधक न्यासी
डॉ.चंचलमल चोरडिया
चोरडिया भवन, जालोरी गेट के बाहर, जोधपुर
0291-2621454, 94141-34606

न्यासीगण :

1. मोफतराज मुणोत-मुम्बई
2. रतनलाल सी. बाफना-जलगांव
3. कनकमल चोरडिया-चेन्नई
4. सुमेरसिंह बोथरा-जयपुर
5. नवरतनमल डागा-जोधपुर
6. सुभाष जैन-जोधपुर
7. सायरचंद सा कांकरिया-जोधपुर
8. सुमतिचन्द जैन-जोधपुर

उद्देश्य

1. अहिंसक चिकित्सा पद्धतियों के क्षेत्र में शोध कर मानव मात्र एवं प्राणि मात्र को रोग मुक्त करने का प्रयास करना।
2. अहिंसक चिकित्सा पद्धतियों के अनुसार चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु चिकित्सा केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन करना।
3. अहिंसक चिकित्सा पद्धतियों के क्षेत्र में नवीनतम ज्ञान प्राप्ति हेतु शोध की व्यवस्था करना, शोधार्थी विद्वानों को प्रोत्साहित करना।
4. अहिंसक चिकित्सा पद्धतियों की शिक्षा हेतु मेडिकल कॉलेज की स्थापना करना।
5. अहिंसात्मक चिकित्सा पद्धतियों के अनुसार चिकित्सा कार्य करने हेतु चिकित्सक उपलब्ध कराना, इच्छुक व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिलाना, प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध करना, प्रशिक्षण केम्पों का आयोजन करना।
6. देश विदेश में हो रहे शोध कार्यो से अवगत रहने एवं नूतन ज्ञान प्राप्ति हेतु पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना एवं संचालन करना।
7. चिकित्सा से बेहतर निरोध के सिद्धान्त के अनुसार स्वस्थ रहने एवं तदनुकूल जीवन चर्या यथा प्राकृतिक आहार, शाकाहार, स्वाध्याय, ज्ञान, प्रार्थना एवं श्वसन हेतु प्रेरणा करना।

प्रेस नोट

दिनॉक - 04.04.2009

एक्यूप्रेशर एवं अहिंसक चिकित्सा केन्द्र का शुभारम्भ

अहिंसात्मक चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी देते हुए डॉ. चोरडिया

आचार्य हस्ती अहिंसा शोध संस्थान के उद्घाटन के समय उपस्थित जनसमूह

आचार्य हस्ती अहिंसा शोध संस्थान, जोधपुर के अन्तर्गत एक्यूप्रेशर एवं अहिंसक चिकित्सा केन्द्र का शुभारम्भ 'पूज्यकृपा' 32-नेहरूपार्क, जोधपुर में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि उदारमना समाजसेवी श्री पदमचन्द जी मेहता एवं विशिष्ट अतिथि श्री रंगरूपमल जी कोठारी सेवानिवृत्त आइ.ए.एस. ने उक्त केन्द्र का अपने कर-कमलों से उद्घाटन किया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रख्यात चिकित्सक, ध्यान साधक श्री रंगरूपमल जी डागा के मंगलाचरण से हुआ। ट्रस्ट के न्यासी श्री नवरतनमल जी डागा ने अपना स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए आचार्य हस्ती अहिंसा शोध संस्थान की स्थापना के उद्देश्यों की जानकारी दी। अहिंसात्मक चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ डॉ. चंचलमल जी चोरडिया ने बिना दवा से असाध्य रोगों का उपचार करने वाली अनेक अहिंसात्मक चिकित्सा पद्धतियों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री ज्ञानेन्द्र जी बाफना ने आचार्य हस्ती अहिंसा शोध संस्थान, जोधपुर की भावी योजना प्रस्तुत करते हुए उपस्थित महानुभावों से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा रखी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री रंगरूपमल जी कोठारी ने इन पद्धतियों द्वारा अपने एपेन्डाइटिज रोग के मात्र 24 घण्टे में उपचार की बात कहीं। साथ ही उन्होंने अपने अन्य परिजनों द्वारा इन चिकित्सा पद्धतियों द्वारा असाध्य रोगो में बिना शल्य चिकित्सा के शीघ्र उपचार की जानकारी दी एवं स्पष्ट शब्दों में कहा कि अहिंसात्मक चिकित्सा पद्धतियाँ अधिक प्रभावशाली, मौलिक, वैज्ञानिक है जिसमें किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव की संभावना नहीं होती। मुख्य अतिथि श्री पदमचन्द जी मेहता ने इन पद्धतियों के और अधिक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम के अन्त में न्यासी श्री सुभाष जी जैन ने आगन्तुक महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रकाश सालेचा ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकांश महानुभावों ने कार्यक्रम के पश्चात् चिकित्सा केन्द्र का अवलोकन किया एवं अपने रोगों का उपचार करवाया। इस केन्द्र पर नियमित प्रातः 7.30 से 10.30 तथा सायं 5 से 7 बजे तक एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ श्री रंगरूपमल जी डागा के नेतृत्व में सुयोग्य विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न रोगों का उपचार किया जायेगा।

डॉ.चंचलमल चोरडिया
प्रबन्ध न्यासी